

## महार्थ मरश्र ।

विधित तमेशीय देशांचाम अवर माहिका विद्याप मीति छ निजनीत स्विक्त दिविष ध्वतसाम्बक भागिक मुखा

2म में? था। I

क्किन्यानि, ३५७५ मान्।

ST 511. 1.

## দম্পাদকীয় উক্তি।

कारता शुदर्भ जड़े - वह निकासत व সম্ভণ্প নরিধাভিলাম কলি। বিশ্বর প্রণ্মশে होता भारतकेम के लिए । मान १ ४०५० मा একট বিষয়ে ই**নে**হে গ ছইবে এমন মঞ্বন। ্ৰান প্ৰকাৰে কটাতে প্ৰাৱেনা। এই সামগ্লিক প্রের প্রথম নক্ষণেশ আমাদিমের এইমাত দ'ন্দ ভিল যে কেবল প্রানিদ্ধ ওরমণীয় উপা-शासानि जल्ले कल्ले किं गारंग गारंग প্রকাশ করিব, কিন্তু এই এণালী জনেকের ঘনোনীত নহে। বাস্তাবক ইহাতে বিশেষ আপত্তি চইতে পারে, তথ্যায়ে প্রধান এই যে, কেবল উপন্যাদৈর কিয়দংশ পাঠ করি-লা অনেকে সন্ত**্ত**িনা 'কইতে পায়েন, **দি**তী-য়তঃ সাময়িক পত্রৈ শুদ্ধ এক কি চইটী উপা্থান মাত্র থাকিলে ভাষা ফেন এক প্রকার অসম্পূর্ণ হোধ হয়। এই সকল সংপত্তি ख्यमीर्**र्वा**क्षेष्टे शिक्कारिक सिक्कि खनक महि-বেশ করা শ্বির করিলাম। পবিলাতে লিজর আ হয়ার কি ক্লাদেল্স ফেনিলি পেপর প্রাভ্-তি বে শুৰুল প্ৰতিক্ আছে ইহা ও প্ৰায় ভ্ৰমুবায়ী, হইবেক া.. ইহাতে সাহিত্য নীতি বিকাৰ ৩ জিম্প শান্ত, বিনয়ক বিবিধ প্ৰান্ত

থাতি ম'লে পাকিবেক এবং সংখ্ ও কবি।
নাটক প্রস্কৃতির অনুবাদ ও বাঞ্চল কবিন্দু
সমারে সময়ে প্রকাশ করা ঘাইবেস। বাঞ্চল
কমিয়ে ভামি দিলের এ দেশে ল প্রকার পাত্র
ভাতে পাতে
আদক মাথা অধিক হয় নিল্মানম যদি
করিয়া পারের শাসামন্য হন্দি কর ই ইনিন্দু
ভাতে গা কিব শাসামন্য হন্দি কর ই ইনিন্দু
ভাতে গা কিব শাসামন্য হন্দি কর ই ইনিন্দু
ভাতে গা কিব শাসামন্য হন্দি কর ই ইনিন্দু
ভাততে গা কিব কি সাধ্যাহিক বার মাই-

্রাই প্রথানি সাংগ্রন মঞ্জন্ত নামে প্রকাশ কবিবাদ সক্ষণা করিয়াছিলাম, কিন্তু উপার্টেড কবেণে সেই নাম প্রিইছিন কর। গেল।

# शानारष्ठ ६ इनिव मा।

ইংলাণ্ডের কর্ত্তনাল প্রক্রিয় পশ্চিম খণ্ডে সমুদ্রভাবে একটা সর্বাশ আর্থিয়াপ্টেলালি আবাস-বালী-ছিল, তেখাল চক দিল্লালি দিল প্রত্থান্তি তুইটা ভূত্য নর্বন্যালাল বিশ্বে ক্রোপক্তম করি ভেছিল। তালগুলিকে নিম্নালি বেগি কর করা লাল কর্মচারি ভোষেককৈ কিলাকি বেগি কর করা লাল রাত্রি পর্যান্ত কি জাবিত পারিবেন। একবার সভকার আডি দৃষ্টি কর দেখি? সে উত্তৰ করিল, কুইএকর বাজিয়া ১০ মিনিট ছইয়াছে, এক প্রকান রাজি কাটাইয়াছেন বলিলে হয়।

ভূতাহয় এই প্রকারে কথা কহিছেই এক এক বার লার প্রতি দৃষ্টি করিভেছিল এবং ন্তাহ কথাব লাল পাচে কেই স্থানিতে পায় এই আশিকার বির কামে মৃত্যু করিয়া বাকা নির্দির্গ করিতে চিল। ইহার। কাপ্রেন ডিবিরটন নামক একজন ধনাচা নাবিক কর্মচারির সেবক।

তৎপরে ভোও যে দে বলিল, সুইনীতে এই অজ্বার রাত্রিতে জাগারিত থাকিরা ঘণ্টা গণন করা
বিভ বিষম দায়। কনিষ্ঠজন অতি মৃত্তরে জিজ্যাদিল, ভাই তুমি ত শুনিতে পাই বালাকালাক 
ক্রী স্থামে চাকরি করিট্রকা ছিলেন ? ভোও ভুডা
কল্পদানে ইইয়া বলিল, তোনাকে একথা কে
ক্রিল ?

ঘাচা হউক ভাই ও সকল কথায় আৰু প্ৰয়োজন মাই. এই বলিয়া জোদেক নামক কানুঠ ভূত্য গুরুত্ব गीरिकोशान कतिल, टमने नगरत अकति धनीत भक 🎬 ७ रहेन। या छश्रम किकामित, जामादनक को हो-কে ভাকিভেছৈ না কি ? জ্যেষ্ঠ উত্তর করিল, এক-দিম এবাটীতে র্ছিয়াড়, ঘণ্টার শব্দ শুনিয়া কাছাকে ডাকিতেতে তাহাও অসভব করিতে পার মা, ক্রী স্থীয় পরিচারিকা সাহা-শিসনকে ভাকিতেছেন, শীপ্ত बाहेश जिल्हें के जिल्हें सकता कार्य करन একটা প্রজন্তিত ক্রিকা হত্তে গারণ করিয়া দার **উ**न्हां हेन कहिन, **मा**ंड कर नमा (च् अकरें। छिन्डित গাত্তে শারিং করেকট ঘন্টা ঝুলিভেচে ভাছাতে ভা-ছাব দুক্তি পড়িকা বিবটে গিয়া দেখিল প্রভাক বক্তাৰ উপর পোইনিবা প্রতিক ভূতের আখ্যা-विका निज्ञा नाम अधिक विज्ञाटिक । उर्चन निर्मेश द च के। स्मीलायभीन इन्टिइंडिइंडिइंड जाराइ डिनेट्डिइ स्मथा शक्तिया रमिन "कार्डिय में का क्रिका के के केरवर्की। क बीड़ि केरे स्विचित्र नक्टत और

उन्देवन हेरेश किनामः त्वस्तिम, स्ट असकात. क्रममबूर्या मारे। अरे कथा गहंकर्मानाजिएक क्रांफ ক্রাতে বে কলিল ছেবে বৃদ্ধি সারা আপন পর্বা-गाटव कार्ट प्रधान गरेना छाराटक ,त्रक । अहे कथा दिवारक्रः.. भावात मञ्जात सम् हर्देः ল। ভোগেৰ এক মধ্যে তিন খান্ধ ক্লোপান অতি-ক্রম করিয়া সারার শ্রমনাগারে বিশ্বা কার্চার নামো-চারণ করিরা, ডাকিল। ক্ষয়ি ন্যু কোমলকরে এकमे खीटनांक उँ उत्र पिश क्रिकांनित्तस ''त्क वा''। ভোমেফ কত্রীর আদেশ জ্ঞাপন করিবামার সার: ব্যস্তিকা হজে করিছা নার উদ্যাটন করত কোনে-रकत मन्याद्य कर्ष , अन्त इहेटलन । माता व्यवप्रदक দীর্ঘাকার করা সুসীও নতে, যুবভাও নতে । অতি ভাৰ সভাব বিভ প্ৰম দুৰ্গে, স্বশ্বির চিভাবিষ্ট 輔 न रयः। वर्षे मेस्ट्रियः वाष्ट्रीत श्रीत्रप्रतिकारितात যেৰপ বেশু ভূষণ ভাষার কিছুমাত্র নাই, পরিষ্ঠদ ষে পর্যান্ত অফুক্রিম ও সামান্য ইইটেড পারে তাহাই তিনি সচরাচর পরিধান করিয়া থাকিতেন। ইঞ্চির ত ৰূপ এই, কিন্তু এমনি একটা তাহার অপুরুষ বা-ছিক দুশ্য ছিলু যে ভাষাকে বেথিবামত্রে সকলেরট क्ष्यूहर डेन्स र्स । जिनि देन, शूटन क्ष्यून हि-इन्ते अहे कराक विवरम् इ काम का का का का रहे काछ थाकिएछ शाहिएकी मे। कि छ त्राक्षेत्र বজাব এথাকার গভীর: অকুড়ি,এড ওচ় যে ভারার पूर्व विनिগত जाचा शतिहत्र (क्यूहें शान साहे । किन्न জাঁহার মূপত্রী নিরীকণ করিয়া বেলিলে সকলেরই এই प्रष्ट विश्वान इस य अक कांद्रल किनि निवस मुख्या ভোগ করিয়া থাজিবেন, না হইছে এত নিজে হ-है जिम किम। योगि अक विसर्ध का हाउन गरकाई म इंड कि शांक कि**स स**रमारकारी अपूर्ण कि शृहीतिक क्षिम ७ बाजन एक जारात अवल क्षेत्र हरेता-किन जारा क'सा ए निर्मत करियात हैना क न! विकासन रहेक विकास का अवस्थारण पानि-र्माहबीय (क्या (काश क्यामाहिटनेव क्या क्या क्या क लक्षण जीवात नकारण स्वतीनात्राचा विका । जिल्ल पुरुषे विरम्भ की गर्दे किया विर्माद का

व्यवस्थित अंक रेजनकेना चरके किए। द दियात সামর্থ্যকাল অভিযাতিত হয় নাই ভাষার বিলক্ষণ · ध्रमान काक्क्षेत्रमान हिन । केंग्रेशान विश्व ७ खक, **७ ईवर्ष क्रिकेट भार्क वर्ग** केन्द्र क्रिकेट পক্ষ সঞ্জিত পাতায় অক্সিড ওথাপি নির্থেত, शामा চकिछ इतिनीत माथि अधि मधिकछ। धक्र মলিনতা ও জীকারের দুশা বিষদ যন্ত্রণাঞ্জ ছ-होत नकत्वहरे स्टेश शांक । कि इ जिस्मा तर সাবের অধিক ঘটিরি ব্যাংক্রণ নতে, ভাহার থে এপ্রকার সমস্ত কেশ ধবল হওয়া অভি বিদ্লা है है। ब मुंथ के के कि निवर्ग वर्ष, कि के कुर्जीशि लालिए मारम प्रभाग क्षेत्रं की फेक्क मिएखर्क किखं तमश्रुर्व, नना-টের চর্ম্ম শিশুদিশের ন্যায় কোমল ও মতণ। এই সকল চিহ্ন যখন কৈশের বর্ণের সহিত মিলন করিয়া অञ्चय कंदी याग्र ज्यम महत्व है हमकि छ है है कि इग्ने। আক্রেরিবিষয় এই যে ব্যুস্টিরের ন্যায় কেন্দের স্বল্লতা কিছুমাত্র ছিল ন।—মন্তক একেবারে সর্লা-চ্চাদিত। যাহার। বিজ্ঞ উাহারা কেবল এই সকল লক্ষণ দেখিয়া মানে২ আপনাপনি বিস্মায়াপর ১ইতে-ন ও্ডিষয়ে বেলনা দায়ক কোন প্রস্না কখন কাছাকে জিজ্ঞালা করিভেন মা, কিন্তু সারাব সহ কর্মচারির। স্বভাবত অজ্ঞ, তাহাদিগের কেতিহল নিবারণ করা पुः नाभर इन्द्रेज क्रिका । नातात मर्ता तत उ अने नकल লক্ষ্ জিল, পাৰার অধিকন্ত তাহার আপনাপনি কথা কওয়া একটা অভ্যাস ছিল। দাস দাসীয়া এই সকল লইয়া আপনাপনি সর্বাদা কানাকানি করিত, একং সময়ে পরিহাসও করিত, কিন্তু কত্রীর ভয়ে স্পষ্ট কোন কথা ব্যক্ত করিতে পারিত না। কত্রী আপন সামী জার্মি ভাজাবর্গ পর্য্যন্ত সকলকে নিষেধ কবি-য়াছিলেন, সারাভ আপানাপনি কথা কওন বিষয়ে কিখা ভাষার ক্ষেত্রেশ্বরজন্ত বিষয়ে কেছ কেন তা-হাকে কোন আন্তঃবিজ্ঞাসা না করেন যেছেতু তাহা-**ं क्रोहाँ नमस्ति बाबी छः थ इ**स ! '

গারা কণ্ডাল বাফাছীন শ্রীয়া মুকেব নাায় তৃত্তার শিক্ষাই দণ্ডারিলানা রহিলেন, বর্ত্তিকার কালোক • সার্বাকে লানিবাডের উছে।র সুক্ষরণ চন্দ্রয় ও মস্ত-

কে:পরি খেতেবর্ণ কেশ রাশি জাত্তাল্যমানা: क्टेल। निर्दाटका पृक्डिकमाता अवेक्टला मधीनाकः রহিলেম, বভিক-িগুত-হস্ত কম্পিত ফইতে আঁশিলা তৎপরেই ভাঁহাকে ডাকিয়া 'দিয়াভিল বলিরা' ভূড়ার্থ .ক কৃতজ্ঞভার শৃহিত নমন্ধার করত গমনেন্দার্ভী क्*रीसन* । अखावकः मृह्कातः कथा क्**मिन चार्स**ि मधूद क्रम वहेल । शुरुव भगत कुछा वर्ष है नावकि থতি ঈ্যাহিত ছিলা কিছ সে রাজে ভারার ভারতী ভিজ্ঞা দেখিয়া জোদেকের মলে করণার সঞ্চায় इंडेल. ८२ मादाइ **इस्डिन वर्डिका पवित्रा विल्ल, इक**े আনি ভোমাকে কত্রীর গতের দ্বার পর্যান্ত পৌ ছিয়া দেই। স'ৱা **ভটিস্ব হইয়া সম্ভক না**ণ্ডি-হাসমূহে জ্ঞাপনি চলিয়া গেলেন । সারা এবং (कारमक भ कारन मक्षेत्रमान करेवा केश कहिएड हिल्लम छाह। वहें मिएसव व्यक्तारके गृहिनीव नयमा-প্রাক। সাবা দার্দেশে সন্দিন্দিতিক কণকাল দণ্ডায়ান রহিলেন, ভংপরে অতি মুদ্র ক্ষ ক্ষিয়া ছারে ব্রি রেক সুইবার মৃষ্ঠাছাত করিলেন কাপ্তেন টি বরটম আপনি ঘাব উদ্ঘাটন কবিয়া দিলেন। সারা ভাঁছা-কে দেখিবাম'ত্র চমকিত হটবা ভবে দশহাত পশ্চা-তে স্বিয়া গোলেন ৷ কোন ছুনি বার ভয়ন্তব মুর্ভি যদি ত'হাকে প্রহার্বোদ্যত হুইত বোধ হয় ত হাতে সারার এন্ড ভার হইন্ড না। কিন্তু কি চমাকার. ि वत्रहेम आंद्रश्याक स्मिशा डाँग इनेटल कानात्र মুক্ত হউবার স্থাবন বোধ ক্রমই ছউত না, কি , তিনি যে কাচাকে কটু কাটবা ৰলিবেন জাল কেচ অনুভব করিছে পারিতেন না—জীঞ্জি সুখ-মওতে महा ও करूभात **ভাব সম্মান আকারে** চি-ত্রিত ছিল, তিনি সভাবতঃ অতি সন্ধা ও অরূপট; ছাৰ উদ্ৰাটন কালীন জাঁহাল চকে স্বাক্ত গাৱা विहरण किन। नातारक स्वित्रा करिस्सम् काहेन ভোমার কত্রী কেবল ভোমারই অল্পের্ণ করিভেছেন, कामि अकटन घाडे, यनि हिकिश्मरकं का कार् के इस आभारक महतान निका माना एक भरेका अर्थन मान করিয়া তাহার প্রভুর সমন কালীন উট্টার ভিকে অনিমিষ লোচনে দুক্তি করিয়া রহিলেন। একে স্বস্থা-

क्षा भारत वर्षे अस्त आवात कारात प्रत्येत वर्षे अ-क्ष्याद्व अष्ट्र विराज नाव इरेग्ना विन, व्यात गनिक याक्षित्र महाब अकृत्य पूर्वायमान कतिराजकितान अवर कांग्रमाश्रीतः क्रियानिकालनः "अमन कि श्रव, कर्जी कि मकन कथा वाक कतिशाहिन"। अञ्च कपूना হুইখার পর আন্তেও বোগীর প্রকের ঘারে আগমন क्तिरलम अवर करनेक मखाद्रमाम हहेग्रा खिनालम গৃহ হইতে কোন কথা আৰ্ভ হয় কি না। বার केम्बोरेन कविया उद्दर्शन वृष्ट्केकांन कक महेशा तहि-रम्म, **७५भटा भागम् मित्र ज्यक्षांभ मित्र।** भाग नि-क्लिश क्रांक गृह धारवण कतिराने। शहिनीत मह-नाशास्त्रत भरेन ध महला आहीन अक्डिमएड हिन, ভাষা বাটীৰ পশ্চিমভাগে স্থাপিত হওয়াতে তথ इकेट मगुज न्लाष्ट्र मुनामान हरेख, घटतत এक পার্শ্বে একটি দীপ প্রস্তুলিত ছিল, কিন্তু তত্বারা পরিকার আলোক হয় নাই ভাহাতে কেবল গৃহের অঞ্জকাৰময় স্থান সকল বিশেষৰূপে নিৰ্থ হুইডে-ছিল : দীপ শিখা অতি মৃত্যুভাবে অলিতেছিল ত-দ্বার। ক্রন্তং সামগ্রী কছুদার দুশ্যমান না হইয়া কেবল বৃহদাকার দপণ ও বসন ভূষণ সকলের কাষ্ঠাধার সকল প্রভাক্ত হুইভেছিল, একটি গুরাক্ষ উদ্বাচিত ছিল ভদ্ধার। কবল বালুকাময়-তটে সাগর ভরকের প্রতিঘাত জনিত কলোল আত হইতেছিল। বহি-एन रमात्र **जान स**क्षा उथन् व्याजिरशास्त्र इंडेर ङ क्रिंग मा । इक्किक निल्डम ७ जनगूमा । शृह मर्गा **८क्का** ताश्रीह याख्यात श्राम ध्यश्रातमह भय अव একবার আংজিপথানত হইতে ছিল। সারা শ্রার পার্বে দপ্তায়কান হুইরা কত্রীকে দল্পেধন করিয়া কহিলেন, প্রাক্ত এইমাত্র থেলেন, এবং আমা-কে এস্থানে অবৃত্যিত করিতে আদেশ করিলেন, আপনার:এক্তেৰ যাহা অভিক্রচি হয় ববুন,—'ভরে जारता भारता करा" तकरत अहे करहकृष्टि कथा अन्छ হইল। সারা কম্পিত হতে তুইটা বর্তিকা জালিয়া শ্বার পার্থে, একটা কাষ্ঠাথারে স্থাপিত করিয়া চারিদিকে একবার দুক্তিপাত করিলেন এবং কণেক পরে মোদারি ছুলিয়া ধরিলেন।

সারা-লিস্থের কত্রী বিষম রোগাঞ্জ হুইরাছি-त्मम, किछ त्मरे अकात खान आह श्रीरमाकनिरमत हबेका शाहक, टम स्वारभव अवंति क्रमस्कांत्र अक्तन अवे त्य प्रस्टात क्रांटम क्रम्य कतिया आह्म, वाष्ट्र मृत्या किसूरे अकार्क रंग ना । हि वहरून भारक्रवत नातीरक खरकारक দেখিয়া কাহারো এমন বিশ্বাস হইত না যে তাহার আরোগ্যের উপায় নাই। সুস্কায়ার তাৰত লক্ষণ-ই ছিল, তবে কিঞ্চিৎ তুর্মল ও কুধা। সামান্য পীস্থা-গ্রন্থের পর আরোগ্য কালীন যক্ষণ দেখার ভাহাকে ও ভত্তপ দেখাইরভদ্বিল। ঘাচারা পীড়ার অধন স-काताविध त्रवा क्तिएकहिएलम, आश्वितात मरन अ-কবারও ভ্রমে জ্ঞান হয় নাই ষেউাহাকে কৃতান্ত এক কালীন এাস করিয়া বসিয়াছে। মোসারি উভোলিত হইবামাত্র কত্রী ইক্তিক করিয়া কতকগুলিন নাটক ও কাব্য এছ শধ্যায় ছিল তাহা সাবাকে স্থানান্তর ক-রিতে আদেশ করিলেন। সংস্কারের এমন গুণ যে সহজে দৃচ অভ্যাস এককালে ভয়াপ করা ধায় না। ভুতোরা আপনাপান যাহ। বিশ্বতে ছিল দে কথা অমূলক নছে। তিনি এককালে নাটা সম্প্রদায়ে ছিলেন এবং অভ্যাস বশত নাট্যশালায় ব্যবহান दाश्रायां शी बाहेक बाद मर्समारे शाके करित्राहन ।

গৃহিণী ষভাবতঃ অতি উগ্র ছিলেন, নমভাবে কথন কাহাকে কোন কথা বলিছে পারিতেন না, তৃত্যবর্গ ও পরিজনের। তাঁহাকে কুতাত্তসম তর ক্ষিত। তখন যদিও মুমুর আন্ধ তথালি রোব-পূর্ণ বরে নবলে আফা দিতে ছিলেন। সারা উক্ত গ্রন্থন স্থানাকর করিলে পর গৃহিণী পুনরায় ইলিভে বাকা আছে। অবশেষে ক্ষিতেন বাকা আছে। অবশেষে ক্ষিতেন, বার অব্দুদ্ধ কর—জনমুদ্ধা কাহাকেও আমার কালা আছে। অবশেষে ক্ষিত্যক। কি ভোনার অত্ পর্যন্ত নহে। সারা অবশ্ব ক্ষিয়া হহিনীর আজ্ঞা পুনক্তারণ করিরা কহিলের, 'লে কি? ক্ষানার ক্ষেত্রনহে, বৈদ্যক্তে নহে। 'লা কাহাকেও নহে'। এবং পুনরায় অক্ নির হালা বার ক্ষিত্রা কহিলেন, ক্ষিত্রনার অক্ নির হালা বার ক্ষান্ত্রী কহিলেন, ক্ষানার অক্ নির হালা বার ক্ষান্ত্রী কহিলেন, ক্ষানার অক্ নির হালা বার ক্ষান্ত্রী কহিলেন, ক্ষানার অক্ নির হালা বার ক্ষান্ত্রী ক্ষানার ক্ষানার আহে ক্ষানার ক্ষানার ক্ষানার ক্ষান্তর ক্ষানার ক্ষানার ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষানার ক্ষান্তর ক্ষানার ক্ষানার ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষানার ক্ষানার ক্ষান্তর ক্য

त्मन अवः छर्भात भवात भार्य मधायमान हरेया. शृहिनीत मूथ व्यक्ति अक मृद्धि गृहिम्। त्रहिलम । কণকালপর অভি মৃত্যরে জিজ্ঞানা করিলেন, কর্তা-কে কি সকল বলিয়াছেন ?—না, "এখনপ কিছু বলি नाइ,-विलवात सन्। डाइटिक डाकाइशाहिलाम, कि इ अम्म-बहा छ क अमन मिमाहन कथा ना कि ध-কারে বলি, খাহা হউক ছেলেটার কথা না কহিলে সকলই বলিভাম"। সারা ভায়ে ও বিষাদে এতদূর প-গান্ত অভিডুত ফেইয়াছিলেন যে কব্ৰীর নিকটে আ-ছেন কি আব কো**খায় খাছেন** উহ্বান্থ তথন স্মারণ চিল मा। अक्कारम भारक मध इहेग्रा विलाश कतिएकर সম্মুক্ত আসনে উপবিষ্ট হুইলেন,এবং দুই করপলব ষাবা মধাক্ষাদন করিয়া কাভেরে কহিতে লাগিলেন, ''আহা ! কি হবে লো কি হবে'। টি, ষ্ট নের গৃহিণী প্রায়ে কথাকৈছিয়া যাওমার এপাশ ওপাশ করিজে नाशितनम, यामीत कथा कहिएकर, शकाम हि इ ७ छ-স্পূর্ণ নয়ন হইল, স্বর্গেরে পরিচারিকার প্রাক্তি লক্ষ্য করিয়া মৃত্তস্বরে **কহিলেন "আমার ঔষধ দেখ** ত ''। শারা ধড়মড়িয়া গাত্রোথান করত চক্ষের জল মুচি-क्तन अवः उनेन कहेता भवाति शाद वाहेशा जिन ख्यांत्रा कवित्तमः "देवमादक जानश्चम कवित" ? "देवमा নহে. ঔষণ আন''। "এস্ব'নে চুইটা বোভন আছে कान्छ। निव, बूरमत खेयथ निव" ?--- भा जा के जाव একটা বোতল দেখা ! সারা বোভন ভুলিয়া পড়িয়া मिशिटरान अवर कहिलान अ श्वेषध चोहेरात अधन ও সময় হয় নাই। "তোর এত কথার কাব নাই व्यामारक रवाञ्चलः है। (म')। ताता व्यक्षति शुर्ह का-ভরেছিনভে শ্বিক্তি করিয়া কৰিলেন 'ক্লাকাল विनय कलम अलगात है किम भाखद्व। जात विष शांन करा पूर्व जमान"। हि के त्मन शहिनीत তুই চক্ষ ছইডে ভখন ংযেন অঞ্জিক<sub>্</sub>লিক নিৰ্গত रदेए मानिम, पूरे करणान माहिए वर्ग व्हेल, ज-क्यादिश केख केट डामम कत्रण भावतात विक्रकि করিলেন-ক্ষেত্রলয়া ছিপি থু লিকা मिक स्वित कि मेखारांखत मित स्वामाद गढक प्रके नमात्र अथन अक्ट्रेक बलाब अल्हाबना नाता

मृत्थ कांकुडि ऋतं विकास होगित्तन 'मा ना अ বোতলটা নছে," এদিকে কত্রীর বিশ্টাকারে ভীত হটয়া হস্ত প্ৰদাৰৰ কৰিয়া বোডল বাড়াটুক্ট निश्चन अवः वितिस्थान अधन ७ एहे गाँजा चारी একটু কান্ত হউন আমি একটা পাত্র আনি। তি-নিও ঘেমন পাৰ আনহান করিতে মুখ কিরাই-लाग छ। हात कर्जी अब हुन, एक छेषध निः स्थिष কবিলেন। সারা ভদ্তই টীংকারগুনি কবিজে করিতে দ'রাভিষ্ধে দৌড়িয়া গেলেন এবং ক**হিতে** रतान। जित्रे रामन श्रीमी मरकार्य केरेक्टरत अन्तर्यात्रं कविष्ठं नाशिस्नन,—এथनि अनिष्क অহিস গোটাকতক আবে: বালিস আনিয়া আমাকে তুলিয়া ধর-এখন ও পর্যান্ত আমার ধাল আছে, শাস পাকিতে আমাৰ বাটতে আমাৰ - আজা क्किक्स किल्ला किलिंग किलेंग किलिंग किल किविया कांग्रेल अवर वालिम कानिया कबीय नीत्व ७ शृद्ध निल। कद्धी खिळामां कहिएंड नानिस्तन, पुंचे कि बात डेल्याउँन कतिहाडिम। "ना"-"तम् ভোকে আমি ভূগেভিন্ন নিষেপ করিভেছি আমার আছেল ভিন্নাৰ কথন উদ্যাটন করিস্না, এক কর্জ সম্থে কাঠাণারে লেখনি মস্তাধার ও কাগভের বাক আছে আন্যুন কর। নির্ফেশিত স্তানে যাইয়া লিশিবার সামগ্রী তাবং नाहित कतिलन-गत्नत गर्ध वृक्षि कि मर्गमह হটল তাই জিল্লাদা করিলেন—লিখিবার আয়ো-कम अथन कम। क्यों देखत कतिरामन कृरे লইয়া আয়ু দেখনি এথনা একটি ডেকা পাত্র লিখিবার কাগত চর্ম-নির্মিত লিখিবার কলক ব্দদ্ধ গৃহিণীর হঁ টুর উপর স্থাপন করিলেন, এবং তৎসনিধানে লেখনী ও মস্যাখার ও দ্বাখিলেন। रुष्ठ भगानि अटक द्वारश भवमत, छाराटक आवाद বুৰিছ চঞ্চলতা এ অবস্থার সহক্ষে মনের ভাব লি-शिक्षा श्रीकान् कर्ता हुलाश सटर, कडा लिचिता का-रहाजन मण्डुरथ (म<del>विद्या चर्</del>टनक निष्ठक करेंद्रा उहि<sub>.)ने</sub> लमा पूरे अक्यांत प्रमुख्य मुक्तिक क्रितितम अहर के

नियाम निविक्त क्रिटिलम, उद्देशित देशभी धानी नंव के बिगा शिविष्ठा विकारिक छे किया किरान "देवरे कि दिन्नि"। मादा आंग्रेशिन है के बीन के किसी ार्ट उनग छेथिय किटल रमियाँ केंग्नियानेंग। दमचि-त्यान कार्रे कार्रिक केई करतेंकिए केवें। विविद्ध ह-हैंग, "मनीरी चामि बिवुक कीरिशन हि वह ने नार्ट्ड्व শ্রীচরণেয়" সারা মৃত শ্রায় ছইয়া ক্রতাঞ্চলিপুটে সি-নতি করিতে লাগিলেন, <sup>স</sup>্কোম ক'ৰা ক্ষিবেন না के बीटक कि लिथिएवम मा," और देशिया शृहिनीत इस धार्म केतिरानन, किन्न केती कान्यकानिक নরনে ভাহার প্রতি দৃষ্টিপাত করাতে হাত ছা-णिया शिलमा गृहिनी लिशिएक लागितिये, लि-থিতেই হাত শচল হটল শেষ অকর গুলিন এক क्षांत्रीन ग्राम काता श्रुविष्ठ बहेता खेल्लाष्टे हहेता। शृष्टिनी कर्शक मिन्नुस बडेया श्रीखिलिका ध्वाय है दिया র্ফিলেন। সারা এই অবসরে জায় নত করিরী श्रमतीत कक्ष निश्र है विभी छ वहता कहिए जानिएनमें. जोशीन कार इंडेन, यपि भार्च विवाह शास्त्रम मीडे छ लिथिया विनिवाद श्रीयां कर नाडे आगीत व्यमुद्धि या इनेनात जाने इडेरन, आंति यनि अक्कानी এ যন্ত্রণা সহা করিতে পারিয়াছি তে। আর কটা দিন ও সত্ত করিডে পারিব, একথা আমাদিনের উভগ্নৈর ্কর্ল স্তের সাথি হউক, এজগতে যেন আর কৈছ क्षानिएड मां भारता कर्जी छत्त्रां कत्तितनः सन्धे এ কথা খার অপ্রকাশ রাখা কর্ত্তব্য নতে, পাদার বার্মিকে জ্ঞাত করা সাখন্যক, আমি একবার বলিং ेट निशंकिशान, कि**ड खेपन महिम इंग्र** मा**ह**ि कामात अतरलाक आखितं भन्न क एमि बेलिरेव की-भारत रम विवास क्या सम अक्ट्री (संधम दाचा न्यांके-मार्क विक कर्ष करें करें करें करें करें करें कीम केडिएडएड, क्यांकि शोहर वार्ति कार किया में माझ क्षेत्रियं जाकावामानं देवेकी मूद्याक्षक नवीति जाकर त्रें। वंश्व कार्रा कार्यामात्री मुख क्षित्रकामन कार्तिका व्यक्तिक करिएक माजिएसम । कि विकास के कि कि के बिटके - भूबोर के क्षेत्रिकाम, के विकेष ब्रोमी से विवाद स्मायशि क्षेत्र कार्यक **कार्यक व्यक्ति सामिल्लाहार्क ना**गीह

मीत करी के काम करि में हैं है छिमिर ने ने ने देव मश्रीकर्र में गाँस निक करन रिना हैन है, जीनि अकरन मति कृषि क्यामाद्वारम्य कथाति द्वापित मा? काल वाजुन कामात्र किरके डाविस्राहिस्राहिस्राहिस्राहिस्राहित আমার কথা যদি না বীৰ্ণ কর ত ভোৱার পকে বড় विभेगी। जिनेशी व्यक्ति विकित्त व्यक्ति करति ए अ इं चोकिएड मेरित बींा चार्मि महिता । एकामात নিকট **আ**লিব'। সীরা জ<sup>ক্তু</sup>কথা প্রবণ মাত্র আতক্তে हीशकांत्र धूमि करा**ड** हमिकात्रा डितिसम, "स्टाला कि वस, ভোমার কথার ৰে আমারি লোয়াক হয়"। এদিকে **खेबरभेद्र 'छर॰ हिं. तहे रं**भव ५ गृहिंदी पविश्वास क छेर छ-लागित्सम, जाकिय केंद्रेश हेक वृर्गश्चमान करिएक লীপিলেন এবং 'শ্বরাক্টকের হোয় এপাশ অপাশ केंतिएंड निर्शिष्टनने ; शरह अर्क नाहेक इंट्रेंट कुड़े अक वहम बिलिए शालिएलमा अवश तक हुनी क्रिएक धानान কালীম মন্ত্রকীগুণ যেমন ঐশক্দিগ্রের পানে চার্চিয়া **হস্তান্তিভোলনা কর্বত সংবাধন**াক্তরে দেই মত ভালিনা थातं कर्जनिक्तमा जित्र गर्छकीत चात रख धारां तन করিরাম্কহিচনম পেলেখ ' ালস্বরা , কি কারেন, ভারে बाफ्ष्ट-ब्लाय रहेया विकास स्टाउन कहीत बाजा थ-मर्ग त्याबनीप्श्रीकृत्यक्तिकाः किन्तं व्यवस्थानसः दहेशा षातः क्रका विका क्षेत्रिएडिइएलन ''क्रवन हरेएड केत्रियाः तकामार्थ-कार्रिक कालियः। --- शहे कथी छारात ग्रहम बचाहरू का गायक किस अवर खेरहा है जातन कतिया किन्ति जाक्रेटकं सत्र एहेकी क्रिकेनः। कोजः शक्तः हिन्दि रहे हमत इंडिन्के एनकिएसम् त्य केमर्भत्र आकाहरान्याम् विका-स्मित्र व्हें के चाति उद्देश जाति व क्वेट्टर्ड । न्याक अत्यवस्थित अवेशक क्व अर्थ करत अर्थरम् अन्दर्भक् सेम्ब त्र बर्च कब्रिडम्बन्छ हिन्दर विस्नव डेशकोत्र मर्गिद्याटक किना अक्रमे द्वतिक जना नहेगां अकेटी कुक्र जीवत केश्रिया उचारा जलाएँ व क्रिम क ब्रह्ण विकरित्र विकिक्य जेगानमा रवास क्लिटिनमा गाईन मिकि भो नशास मय निक क्षेट्र कार्रिशन। क्षेत्र मानात क्षा अपने कवित्रों के जिएलेंद्र, "अपने कार्रा: बेलि हमस्रिक अवार्ष्यामात्र कोई वास सक्तार छाउँ कर्षा आकर करिट्ड लाजिएसम् यासाः कैनिएकरः जिल्हितमा अवद

शिक्ट कर जीवाम क्षेत्र हैरेट वाष्ट्रांत वामर्शन विभिन्छ हरेटेड नातिन, मद्यर डाहान कर्छ निर्देश কাভারাজি নিমার পরিতাপ সূচক মানিও ক্রত इडेल। कांगरंबत हाँदि भुकी आहें ममल पूर्व हहेन गृहिंगी जरु हुने श्रामिक इंडेरलन अवर कामझ नहेगा जारणाशिक मुक्ति कर्त्र के रिन्द्र किशिन नाम याणव कवित्तम। कर्म रेनिविष्ठ छम्द्रभव अविक भरीदि পরিবাঞ্জি হওরাতে পুনরায় বিক্লেইইবার উপ-्याग इडेने. सथमधन दिल्लामावर्ग प्रदेश डैतिन, वाका অপ্সাই ও স্থালিত হইতে দার্থিল 1 পরিচারিকার हाएक तम्बनी निद्धा कहित्तम, "इंडे आंशमाई नाम नी १६ जाकी खबरल रलश्—मा मा जामि या भाशन ঘাতে সমন্ত্ৰ লোষ কেন লাইব, সাকী নতে সহ-যোগী লেখ' । পরিচারিকা কি নারে আস্তে: আ-দেশ অসুসারে নাম 'কাকর করিল। তখন গৃহিণী পুনরায় কহিলেন ''আমার পরলোক গ্মণের পৰ এই পদ তোর প্রভুৱ হন্তে অর্থণ করিন এবং তিনি যদি কোন কথা জিজ্ঞানা করেন অবিকল वंशार्थ यात्रा खानिम छाई वंजिम, मान कवित्र विन शहरलाएक रखाँव विठात शहरा । माता कुछाअनि-পুটে কর্ত্রার প্রতি কটাক করত সাল্য অবলয়ন করিরা দুচখরে কহিলেন, "কি বলিব আনি পাপা-চারিণী না হইলে ইচ্ছা হয়ভোমাকে তুলিয়া ভোমাব শদ্যায় শায়ন করি"। "সে কথা খাকুক এখন ভূমি স্বীকার কর আমার সৃত্যুর পর ভোমার প্রভুর হত্তে এই কাৰ্ড দিবে, না ভোমার কথায় আনার ध्यकी कि इस मी, किंगारक अर्थ करिए बहेरत, के ধর্ম পুত্রই খান আন তুমি শপথ না করিলে আমি कराइंड शुक्रित हैहैर जादिय नाई मांगारक जारात मिश्राम देवीएक देखांमात महेन सिंधा कतिएक व्यामिएड े हरेरंद कि स्पर्तांक छत्र धार्मात्व भद्र केंद्री है। निरा केंद्रिया । शदिहातिका कांभिएक केंनिएक गर्म श्र-के विभाग करिएंगा। शहिली धर्म शुक्रक एन-विश्व केविन "बहै श्रीक्षक न। कामारनत वानित याजक म्हण्य कर्षां कर्षां का मार्थ कर्म मार्थ है जिस्सा ब मक्तिम बाहादिक সান্ত ন। কৰিতে করিতে বলিতে- ছিলেন, এখন ত অন্তিমকালী উপস্থিত, কাছারো প हिक विद्वाप माहे क<sup>02</sup>े "काशि" कि केंद्रह निमीमें कार्मिन, वामि रिनिनाम, असे धर धर इन्हा कामान मेकरनद महिडे खीडि बार्टिश रेम अर्थ अर्थ र के की भित्र का । मार्था केल्व केलिम "अकृत आंठी जामन मात (नवत-क्रांन कर्म क्रिक्टिक "मा/ अभग क्रि कोश्रेत प्रशिष्ठ करियक्षणां ताचा कर्षतां के कहिलान, प्यां कर के किया कि है है हिटनेंग, किन के वित्या क्रिलम डाइडिं र्थे क्रिया क्रिके अभेने मकन लायं मार्क्समें करें। उंडिंड " "जामि जाराटेंड फेंडव कविलाम: गंकरनत रेगार मोक्लमा कविर्छ পারি দেবরের যে দেখি তার্টা এছদয় ইইতে অপ্রীত इन्तात माइ। अने कथा कामिशा बालक करिएलन, কঠোর অনুভাপ না করিলে ভোমার মন পনির্ল ছটবেক না, আনি জাবাব কিরে আসিতেছি । "কি বল সাত্তক পুনরায় অপনিলেও আসিতে পারেন"। এই অবসরে সাবা পর্মা প্রাক্তকখানি আন্তে আন্তে खामाध्य कतिएउछिएलम, कमी उपाएष्ट और बी-ভাবিক উত্তভাব বাধণ কলত কোপ দুছে গারার এক হস্ত ধরিষা ধর্ম প্রস্তকের উপর সাবিধেন অপার হল্প ঘারা আগানার শ্বরার আস্তর্গ উত্তালম করিয়া পূর্ব্ব লিখিত পত্রখানি অন্তদ্রণন করিতে माजिट्यान, शत्रभामि शाहेशा यस डिपिध पृत इहेम अहे जात अकड़ी जीव नियान छात्र कवित्नन। कार्रनरन कहिरतमः "वामि এখন পर्यः स अर्छ छ-कान वर्डे माडे त्य : जामात द्वीभटन कुलि, ट्यामा-কে শপথ করিতে হুইবেক, ভৌমার কথার উপর আমি আর নিভর করিতে পারি না। জান্ত নত কর शर्प शुक्रक लंख, कानियं जामाते अहे (नवं जांका) লক্ষন করিতে সাইস হয় করিও"। রাজি প্রার্থ শেষ ठातिमिक निस्त कर भन्तात मांचा नम बाहे, देखि-कार मीखि कारम कींगश्र हे होता वातिए हित, मन शक्त थांडांड मधीत्र एकं भर्या थारवन कविर्डाष्ट्रमः महिन महिन क्वेंन गामहित कर्म में के अवी वात क्षांकि श्रेशांके इस्टिंडिज । अने कारल हैं और त्नत्रं मूर्वेष-व्यात्र शहिनी नया। इहेरा अने रिक्र

কাণ্ডেছিলেন, ''শপণ কর,'' চক্তমাত। বশত একং বাব উঠিয়ে বাবল লোগ হইডেডিল, আবার ক্ষণেক পরে পুনবায় সেই আদেশ করিছেছিলেন অবশেষে किष्ठित तम भारेमा को धर्मन "मंभय क्रा य व्याभाव মৃত্যুর পর হুনি এই লেগি নষ্ট করিবে না'। দারা এই কালে দেখিলেন মুন্য কর্নী স্বাহ্ন হস্ত ভাষার হস্তের উপর ১২৫ত উভোলন করিয়া সুইবার কি একবার উছার মুখেব দিকে প্রসারণ কার্য। শঙ্কেত করি-ब्लम । <mark>व्यवस्थात्य अञ्चल श्रह शक्त श्रमकात्व यात्रव कति</mark> ल्लन সানা মৃত্যু স্বারে কহিলেন, হুঁ: আমি শপথ করিলান 🦠 काबी कार्या अहे कथाश मझ है ना इहेश। पुनत ए ष्मभूर्याश कांत्रलम, निवाक्तव त्य व्यामात मुङ्गव প্রতিদি রুমি এবাটা চলতে যাও জাবে এ লিপি থা-নি লগ্য। য'া,ব মা, সাফ; ক্ষণকাল নিস্তন্ন থাকিয়া কৈদিণ ভাত হৰীয়া ভাড়াভ ডি কহিলেন প্ৰাক্তা धा अर्थाम नाम्य कवियाम । (किस है शेट ह हुई न) इन होशा कर्जी शुक्रनाम को बहुन । स्थान दल ,यां – कि इ **ख्यां ब**ट्टे कथा व्याक्तिक इंडेल स. खरावक इंडेश. (११६), মুখন্নী বিক্লাত অ'ব'ব গ'র। কবিল উড়োলিত হস্তের অঙ্গুলিট্য সাফ্টটাত লাখিল, বিশ্ব কণিয়াত হস্ত देश्यम स्थानात्वय निरुक्त वावस्था व्यामानिक रूप्याटक সাব তথ্য ব্ৰিচে পাৰিলেম যে পুনরায় সেই উষ্ণ অনুধুষ্ণ কবিতেছেন। ভাষাতে কহিলেন আর বৈ জাপানি পে ওলৰ বাখিয়াডেন, যাহ ছিল ভাৰত रा भाग करिएनम अयन तन्त्रन एक्ट भिक्रांद खेंस्थ আছে আমি ডবে কাহাকে ডাকি: এই কথা বলিয়া ঘার নিকে গমনোদাত ২ণলৈন, কিন্তু কত্রীর কোপ নৃষ্টি দেখিয়া চলনশক্তি টান হইয়। চিত্রিতের ন্যায় नखाश्याम विश्वास । मुभुष नावीव अञ्चय काणि-उडिह्न, विशवहमा कविदलन कौन कथा वृश्वि विन-্ডেছেন, এই ভাবিয়া নিজ কর্ণ কক্রীর প্রষ্ঠের সহিত সংলগ্ন করিলেন, কিন্তু খানের শব্দ ভিন্ন কোন কথা क्यनित्क भारत्मा मा, जन्म कुरे अक अक्षम्य हिंड कथा विभिन्ने इहेर लोगिन, व्यवस्थि क्यम अहे ্ত্র শুনিলেন যে 'আরো সন্তিকট হও আমার আর क कथा वश्यित आहि"। किक मृत्यत कथा।

मृर्थहे व्हिल, वाका निःमत्रन इहेल मा, क्राम नर्वान ক্ষান্দ্রীন হইয়া আসিল। সাবা এক লক্ষে বার 🖫 দ্যাটন করিয়। পরিজনদিগেরে ভাকিতে লাগিলেন কাবার দে, ছিয়া আবিয়া শ্রম্প ক্ইতে লিখিত ক'**নক** शामि नहेशा आनशाम आश्रम क्या श्राहित्यं व-প্রেব নীতে রাখিলেন। কব্রী মৃত্তগায়, কিন্তু তথনও ख्यां! विद्यांत क्य भारे. भावा यथम् शत कुलियः लहे-লেন এবং দেই পত্র আপন প্রিচ্ছদের অভাষ্ট্র রাখিলেন ভাষাকত্রী দেখিয়া উচ্চার প্রতি এক দাষ্ট কটাক কৰত মুখ ভঙ্গিমার বাং: কোপ ও বিরাক্ত धकाब क ब्रांसन, कि स कि क (ब्रम ठाका होन, कान कथा बनिवाद सामधी माहै। श्वदारमध प्रदा निवा इदेन मनीक पित ७ लाभकी। इटेल हक मुख्यि इस्स का भल एक वस विचित्र इतेना. १९१० विद्वाद इनेन। इंट्रजामर्था मात्रांत अंक अधिया हिक्टि-মুক ও একজন বাবি একটি ভুতা সুন ভবাহারে দ্বরম্ব গ্রহ প্রাবেশ করিল। তিকিংনক ভাড়াভাড়ি শ্বার পার্থে যাইয়া দেখিলেন যে তাহার কাণ্য कार माहे. भि।त्रमा जुडारक छ। किश कहिरलम भीध তোগার প্রভৃকে বল যে তিনি যেন গ্রহ্ইতে বহি গ্ৰুনা হন আমি আলিতে।ছ। গৃহ মধ্যে এতলোক পোটলা কিন্তু সারা কাহার প্রতি একবার দুটিপাত করিখেন মা, প্রভলিকার ন্যায় স্থাপনি এক প্রার্থে भाभिहेश त्रहिट्सन । याधि भटवत आकृषिन वञ्ज छू-লিয়া দেখিবামাত বিকটাকার দেখিয়া সিহবিরা উঠি-লেন,তৎপরে চিকিৎসকের প্রতি চাহিয়া সারার দিকে अकृति प्रभारेश किश्वा और अधार आहे शक्तियांत अर्याञ्चन कि,र्य अकांत्र (भविद्विहि हेनिश्व,र्यन अ-কেব'বে মৃতকৃত্ত হইয়াছেন' ।.. বৈদ্য ভারার কথার পোৰক छ। করিয়া কহিলেন, ভুমি ধাহা বলিভেছ নি-ভাশু অসমত নত্যে তৎপরে দারার স্কয়দেশ স্পর্শ করিয়া কহিলেন, ''নেখ ভুমি এখন একটুক অন্যজে হাও"। সার। গাজস্পশ হইবামাত একেবারে व्यक्तिक ब्रेशा डेविंदनन, खुदक जाभनात वक्रुप्तरभव কাগত অত্যেষণ করিছে লাগিলেন, রাগ্রত স্পর্শ করিবামাত্র মনের সম্পেহ দুর হইক, জাভাভাড়ি

WINDS OF THE PARTY SERVICE THE PARTY SERVICE S नानावित इक्षापनी शास्त्रका मेरे अस्त नगरेत ग-विकान सीर्ट इंडिन । शास्त्रीमें रेवा मानाबन विन बोइन भूकंक भ्रम बाद्य मक्क नुकारीजानास ग-क्रम अक्षाना रेखाळाने ও विश्वातामस्य क्रमञ्जूष था-किए ज्या, सिंख 'अखिंदर मांच छ उँ स्थिना ' विवर्षक किए बाज । बर्शकाम अस्ट्रिका गाँ। किए विमान ्छ कटम त्रामीह डावर तुडाड व्यवश्व इहेट्यम, अलिक कीशीय निकेट करेट अरे बेरेना खक्ष-লাৰ রাখাতৈত উহিত্য তেলা, প্রতীশা বহিল মী। त्रीयमितिमार्टन निमक्ति, कथन काहात मन्द्रकर कहन कांका करा. जरहाताजि अंडे छत्। अक्तिन राममाङ् সিংহাসনাক্ত হুইয়া সকলু মত্রিদিগকে আন্তান করি-यां किश्लिम, अडि विवयं विवाद खामात कर्गाहत मा कर्न समा क्षारियत विष्ठात कामि शक्षार कदिन ककान आकामित्त्रत अहे संबंधे हरेट गुळ कत्रत्व লাও উপায় নির্দায়ৰ করা কর্তব্য, পদ্য কর্ম দূরে भाक्त अकान आंभर्तका द्राष्ट्रात अथमःकडकार्यः - कुत्रे त्रीक्षांनी बहना क्यात्रि माख्यांनि छ গান্তি ক্লা সৰকীয় ভাৰৎ বিচারালয় ও বিচার সং किंद क्षक्रांतित उपत अक अधान ताक्रमित निया-জর হিলেন, উহিার উপর বিচার সম্পর্কীয় তাবং-দর্শের ভার ছিল ভিনি সকলের নিমিত্তে দারিছিলে-, खाराव है महित्र मानिशास्त्र स्थाप विठातित था-नि असि । व्या मर्बाहर अहे नक्ता घटना इस छन-नटम जाबाह क्षेत्रांकि सामके अक्षम कर्पाति क्षाकृष्टिकार्यम् । जिन क्रि शाहीतः विकास करिका अग्रह क्या (पाछका एक त्याचन पात तकता तहें क्षेत्राणियं । रामनाव क्यादांक

त्विव देशींगाटन आश्वन अध्वन रवा अक्टब केकिनोट्डत रिश्न स्टबर्स हैं के िन विश्वास रवा मणार्वे हैं कामन शता अकृति थाकि है **छीरन क्लानावरम अव्यक्ति ।** य यिक करभारमत मारम आ निष्ठ हो। विष्ड (गर्रे पिटन क्षर्शक्त क्षेत्र) देवेस केरिक प्रथारेट उक्ति। यांग्रेमार कर्महाविक क्यांग्रेस कतिवामी व महाच बादका करिएल के दिन हैं के देवर्गिति । एके ना जार्यान बोर्क वासीत भाषिती গের উপর অনাধারণ ২ উত্তর্জী प्रहे वरमताविष अहे ज्यानक आर्थिक है। যাহার কথা অবণনার লোনাকিত হয়, সাহার ছারাং সংখ্যাতীত পরিবার অনীম পোক ও ভরে নি হটয়াছে ধাহাতে ভাবাল রক্ষ সকলেই চিডা ব बाटम जियान आह रहेगाटक, जुरे हुई वश्मदहत भटका **बहै जलागत निताकत्वे अ निर्वाहित्यह**्रिक्मि हे-পায়-করিস নাই।

বিচার মন্ত্রি অতি বিনাতভাবে উত্তর করিলেই হে প্রতাপারিত স্মাট জবীমের প্রক্রিক জবি কুপা করিয়া কর্ণপাত কদন। আমার ক্রিক ক্রা किष्टू माल मारे मसूरपात माधाधीन के कार्यक स्वित नक्नरे कतिशाहि, किन्छ किन्दा के अहे कि **छ। किति बिर्श**द मन्त्राम शाह महि।

नम्बि छाड्रास्त्र कतिया क्रिकेट्स महरकात शाधाधीन रूडेक वा मा एक्क अक अहितार चित्र कता जावनाक, अंड जातिक कारिक मिन बाटक लाहात छेलन व्यवस्थित क्षेत्रकार क्षेत्र अभागीन अवस्था के समादीय में

बेरिएफ्डिके देविषक स्टेटवर्क, दक्षांचात्र शमक अस्त्रः विष्टार्थाक्षा कषांका जानिएक शहिराम स्थ अक ছুটুকর কর্ম-চাননে অপারক যেনেরি প্রভার শাক্তি 

्रेने में के अपने का कि महाबीम, प्रथमा काहारहा अर्थाद्यपुर्मा स्मन अमन हेच्छ। मृहहः कि करत्रम, भरत्र क्षा कार्या के कार्या कर बाका क्षानामके देवांना भवानामाद्य महित्य हेनिक कार्यकाल क्रिएक कारमन क्रिएमन। प्रविध लिल अञ्चलक मा कविया महन्य अधि द्वापिक व्हेन्। मान्य कामध्य क्रमाध्या क्रिटनन । बर्दनंत्र शीकाश्र শিক্তিশা কাৰত বইলেন,কিন্ত উপায়ান্তর না দেখিয়া শতিশার বিষাদে মধা হইলেন। সম্পট নিজে বড় স্তম্ভ क्क्रेन्ट मा, किनिक, विदारि मध क्क्रेया बाज गडा **एक क्रेंड निक श्रुंबि शर्**षा, श्रायम क्रिस्निस अवश মক্তাপ ও যায়ুৰ নামক তুই প্রিয়তম রাজপুত্র ঘ গ্ৰেক আহ্বান কৰিবা, ভাবঃ বুজুভি জ্বগত করি-লেন, ভাছারাও ভচ্ছাবনে বাদশাহকে কার্যা-প্রেয়নে দুছত। প্রকাশ আহশাক বলিয়া অনেক সাম্ভাকরিলেন। নেশের রাজনীতি অলুধায়িক র'জ, জুনারণিধের রাজবালীর বহিপতি হওয়া নিৰের हिन्न, क्लीड़ को इक वायु अन्तर आदशह ध्वासान अक्रमुति ७ ५ म्सर्गङ शुरुणाणात्मत्र मध्या यङ्ग्र পর্ক সাধ ভাছাই কর। আদেশ। পুরান্তর ল্লোকসমাজের সহিত উছোদিবের কথোপকথন আরাস পরিচয়, একেবারে, বারণ ছিল। **奉** वाका भारता वर्ग व वर्गना इहेज जलावर छाँहा, विस्तात विकित करा १९७ क्रफार सम्मन्सारसम्। विस्तान है तरहा क्रिया क्रिया क्रिया বাৰ্গনীৰ উপস্থিত স্থান্তার ভারহ আৰু জা-্ तिर्देश अवः ७२म् ३ कार्य द्वारक विद्यारक अथ क्षा करिया महत्वाव श्रुकान म कर्जिन केना बावन

and place trains when

नर्वत हितिहरू त्यांमाद मानव सीन्। त्रवद्य इक्ट्रावकः। ताळाळा शास्त्रत । अकारिशतः (क्र)धाममः निर्कान क्रमा कामात व्य वसम क्रित कांत्र क्रमा है शहरी ভাৱে! অতি খেলে কৰিলেন, তুই ব্ৰদ্য কাল্ অভি स्टब्ड स्थक गासि तकक भवन अश्विमीम शक्ति আমু ও যদ্ম বারায় যে হাও তুর ভি প্রকাশ করণে আৰু-সমর্থ হর্ষাছেন অপ্তাহকাল মধ্যে আমি ভাহার कि कवित । मुझ धाउरिय पुलीटक वर्ग कहा, अ मनूबाटक শুমার করা ত সাধ্য বলিলে হয় । কোমগালি ল খ্যা-ति प्रक्रितः मुक्लातः स्विश्लामः। त्रिष्ठः । छेलाः 🕆 किक्रुमारे १. क्षाजाख्दान क्षाचात्र अमन व्याचीत्र সভন কেই নাই যদার৷ সমাটের এই অসমত আছে। পরিবর্তন ফটতে পারে। ভাষা। বলিলেন, আ-মার ভাতা পাৰিনাই স'হেবের ক্ষতা অনেক पाइ, जिम् करे, दो बोका अब्रुक्ष क्रिक्स क्रिट्ड. भार्यम ।

शताम हेक. कि घरेष्य, श्रामा कर्ड क्रिया नित्रष्ठ, कृतिया कृष्टितन । 🖙 🎮 प्रकृश्या যদি আমার পদাভিষ্ঠ কৃষ্চারিদিশেক লাসন कतिवाद म नर्भ अहे आक्का विश्वा थारका अपूर्म কি মনে কর কোন পাশ্যর কথায় তিন্তি , নিয়াত इटेर्जन १: **अहे कर्र्याशकश्चनास्त्रः मकास्त्रे क**र्य काल विश्वास नवं स्ट्रेसां, ह्योमान्यवस, कृतिसा उरिटल्न अवदन्तर विकाद महिला कार्याक मान अवकी कार छम्य । र एशासूक म्लू विद्वार मुगमीत काञ्चरत करे भक्त जाना करिन संसद ताला करिन ्मन त्व सम्बन् , अक दुश्चित्र, व्यक्तिकातन काव, कविशा विश्वन देश कालमान काव का ्न **डारांड** डेनांड दिशे सहिता (नक्स) हर्देशक, स्वासन

A THE PART WITH MANY क्षेत्र कारीय महीचे करिएमें करन अविकेश कार कार कराति कार्यो कारा-गांव मिक्न) विशेष मंत्रि वह बादकांत्र रंगावकांत क कर्व वामाविद्वाह विश्वप्रमी क्यारा चनकेन बेर बहे गड नहेंद्र राजा वागांत विका िलान करितक होरा। मकर्थ- विष्ट्रभाव मङ्गी अनिवर्णते चाकिएक बाहे, छरमित्रीहर पृथानन के विक्रिक करा कि दूर्माख जीश जिन विषय नरह । जि वर्ति विक्रिकेन वर्षे मेंग्रामीम प्रथम् थी। त्या-नजाती जाती जातन ताल ताल क्षावस तकार्य काह्या क्तिक व विमेश दाक्य केरित अवसा डाहार मुख्य-कवर्र प्रशासनिकात हरिएक । खुनकेका निक् वांकर व्यवन मार्जिक बाक्ट ड डिमा ड स्ट्रेटनम, किन्छ कि वा-कींद्र के दिन में बेर बढ़ा, वा दिनाथ में या है एउट इन. उविषेश नित्नव छिणनिक मा केतिया छितार शिक्-व्यक्ति। भागरेन मच्चे इंडरनेन। एक्टिन निका निभ সম্পূৰ্ণ কৰিবামাজ তৈনি কেবল দুই জন ক্ৰীডাদাসী नगडिकाराद्य महेक्क किए केटलमा नागरन अकान क ब्रिट्सन । कनेशक केन्द्रतिक लिखिका खाथ इस दिन वर्गीय विन्राधती नहा अवजीन। इस्ताहन। मुथा न्द्रन मयद्भा क्रमणन कविदा जीव म ननासन जाक्रमथ विमा लोबबाब शमन कविद्यान अवश्यालीक वाकार वर्ज किएए बजाब हरेए बानिएनम क्षेत्रवान है-भावित हरे संबंध गर्छती बंग्राक वारतह विक्रिक्टन मेर्टाशको थाकि छ 'बारम्भ कविश बालेकि अरक-नाएं क्षेत्रक के जिल्हा कर तक करिया, क्षेत्र कारिय के दम्मानितार्थक कर्मकृत्यं का श्रम

क्क त्मरंग मिनामी क्षित क्षेत्रक सहित का अवर वस्त्रित नारित मेश नहरूक गरियुक्त कविकेक अनिकेक क्रिकेक साटका हरूकि भग रेमि (बाजाजिए मन् मकीबाक, जुर किंतु शक्ता के महेश होते : अक्समं क्षेत्रांस कर्णहाति : हेश्रांस क्षेत्र पृत कम हो, 'हें शहा शहर १। मा हिला विविधि भाकामिरगत क्या। है शंत गण एवं खुनकेको साम् নক কৰিবা নাদৰি পতিচয় প্রদানান্তর একটা শাস্ত রোধ করিলেন, নেইটি বন্ধা ভিন্ন ভাগাব প্রতীঞ্জ निक अवहा जनस्य। धर्माठ निन्ति जाना अकी कार में किया है। इसे में किया का निक्य महेरतम, जनस्भरत सन्तान कराह संक्रभून कि वारका नम् इहेना छोहात आर्थनाय ननार्छ इदेशन विवर कम्माटक किएक देखिये। था-পম পশ্চাৎ যাইতে আদেশ করিয়া পার্শ্ববর্জ এক भारकारके करेगा तारका

করের জুলইকা বহিপত হইদেন। তথন তাঁহার মুখাবলোকন করিলে সকলেরই জন্মতন হলত যেন তথন তাঁহার মুখাবলোকন করিলে সকলেরই জন্মতন হলত যেন তথন সেই মুখাপ্রতি জালা তর্না জাজান তিনেরই চিহু জাজাত রহিয়াছে। আগ্রনন কালে বেমন চিন্তান্ত সালিনভাব ছিল তেমাপ প্রভাগগন কালে পাল্ল সালিনর ভাবে সম্পূর্ণ উল্লাসচিত ও মারীবের ভলিনাতে বিলক্ষণ আন্তরিক মার্ট ইন্তান প্রকাশ পতিত্র ভিলিও প্রত্যাগগন কালে পুলিকের ভারে কালা করিছে বাংলিকের এবং পশ্চাব্দ সেই উই লামীও সম্বার ইংলার অগ্রামান্ত ইন্তান প্রত্যাগগন কালে প্রকাশ করিছে আক্রমান্ত ইন্তান প্রত্যাগগন কালে প্রকাশ করিছে আক্রমান্ত কলি প্রত্যাগগন কালে প্রকাশ করিলা প্রত্যালিক করিছা কর্মস্বালে ক্রম্বানাত্র ক্রম্বানিক করিছা কর্মস্বালে ক্রম্বানাত্র ক্রম্বানিক করিছা কর্মস্বালে ক্রম্বানার স্বালাক করিছে ক্রম্বানার প্রতিপ্রকাশ করিছে ক্রমান্ত ক্রম্বানার প্রতিপ্রকাশ করিছে ক্রমান্ত ক্রমান্ত

संक्षित क्षकान पर अरबरे ही कनकर जात पर ह जारकार्या ए नवे वा कहिएन में केंद्र बार्च के किया विका को निक्रम किरियन । विविधियोग्यक वर्ष भव नाम क्षेत्रक्षकाराहक का भद्र कतियां कहित्वके सः वस्ता शक्तिवात त्यन त्यभिता जामिलातः गर्डके वनेकाम क्या-নাই জানস বৈ পুৰিত্ৰণ বৰ্তনীকেই তোলাক মাতৃত্ৰ কন্যাহিরের সাঁইউ সাক্ষাও করিছে খাও। ভোমার मापुत व मापुनाविश्वयना भागात अक्रियमन वसार आहिता विवारिक अधिक इंड हा भाकित कर देखांगाह । अध निर्वाड वाक्षा वाका जावन कति। वा जावना जानक -- अभी शहरवन । । । । प्राथ को क्या छाउ-भास्त्र विकास लिए हर । अक्की कथा विभागितान साहि विनिद्ध विन्य हा बहु शाहि तां अपेशिट कांगीत সহিত্য তাৰ্য বৈশ্বীৰ্থাত ইয়াছে তাহা আপৰি ও क्रममी किन सेमा विशिद्ध करिए के मिरवय। विशिष्ठ मृद्धि उर्द कथा च्छामत्रा विभित्सम, उत्तव व्यामान्तिगत ভারন গৌনাবলয়বই ভোয় ভোমার মাতৃলকে ভবে ভূমি এইমার বলিও, যে অষ্টাহ মাধ্য এই ভারনিক অভ্যাত রের মূলামুসকালে মর্বা সাধ্য কেইার ক্রটি া কৰিব না তবে যদি মিডাৰ মাৰ্শিক মই ভাৰে আৰুভ জ্ঞান'র বেমন আগম জড়ত কিবিড বিশাস সন্মুখ্য इंडेएन छाइ। यहन कवा कजना नृत्यम उक्रम आधिए - প্ৰস্থা দিবলৈ প্ৰাণ্ডিলেই প্ৰস্তুত ছইব।'

#### ২ জ্ঞালে

প্রথমীয়ায় বার্থিত হাল্লাভর যে নির্মান উপাদ্ধিত
চয় নেই নিনের প্রথমিত কালে একটি ভাল আন্দর্শী
চয় পুনর অতি হাজ্যেতিক প্রতিটা পরিষা ভালক্রেরাজনারে নামপুর ক্রেন ক্রিকা করিব। ভালক্রিরাজনার নামপুর ক্রেন ক্রিকা করিব। ভালক্রিরাজনার ক্রিকা ক্রিকা ক্রিকার ক্রিকা

S SENT, WE "SEE STORY ... क्षेत्रकः अस्किलाति स्वावकी स्विकितिका कियाकिया। देनि मीहार अवस्थानमा, कतिरकेकिएसम \*\*\*\*\* \*\*\* \*\*\*\*\*\*\*\*\* \*\*\*\* (\*\*\*\*\*\*\* क्षकर वा कि कि कि का निर्देश निविद्यं केल केल का बाल का का का किए किए के विद्या के वि एक्स कतिए किरमन व्यवना अविका विकित्ति श्राह्म अंश्रिक अवि शारात्र विम्योगां महिले वन निया भीन जारताक वर्षितं व निर्देश क्रिकेश छ-बाह्या का (बल पर प्रियम पान का का कि कि कि कि मार्गीत शास्त्री व्यक्तियात्र काहरुभ कांब्रालम, एवं महाने छः कारत बात एके कर लाक हिन के शिक्षिक बाकान व्यवस्य अ भाविकारम क्रीक छ। क्रीय रेक्सन क्षेत्र हैं। हेशाव नशःकरम रमहे पुंच केत समक के जेक्ट अपनि बरना जाका कर्मका किहूम ख हामर्गक्र मा। ब्रेनेक-नास रमश्रीमाविश्रामानात् नर्व क वित्र भना रक्तिमान नीय करवात रावशायकतिक हिन मा। किंड भेरे पूर्ट ক্তির সক্তে সনিবার কোকটিত পানপার বহি-ग्राहित, हेशाटक श्वीम इंदेश एवं कियम नर्वास्त्र कि-याखाराजकेशांपिरभन्न वाम वर्षे विकास विकास ··· पृहस क्रांडीय गुबरकित 'करवंन क'लीन: खेरहा-क्षा बाह कामांश्वकश्रम मिहन्त हिल्लम खाहारक सfor at most from the way, william रा विकास समित नेती कर करें। हर स्मिट्ड में जिला प्रतान कुंग्रेस करें (कार्य कर्णक शिक्षण की राज किस किस

. 4

14



TOTAL PROPERTY AND THE PROPERTY OF THE PROPERT

- - ব্যৱস্থা বৈশ্ব ক্রিকার ক্রাকার ক্রাক্রান্ত্র ভা তার্ত্ कार्य विकास कार्य है विकास कार्य में जान करें अ**व्यक्ति**क - **विक्रियाक्ति व्यक्तिना अवत्र छ. छा हा** निर्वाटक नभाका, कश्चिक्य क्षेण्यानको स बस्चित्र क्रिक्यक क्राटका ल-কাৰ্যান্তর ভ্রক্ত দেখিলেন, যে এীক্ষর পরকার চক त्यकाश अध्यापे महिलायम कडिएकएडन खाडा एउ छैं।-र्गको बोन्द्रक करक. टक्सल लाखकक रेकक tucoma इक्रामिश्वक नेक्षक व्यास्त्रज्ञ नोभ द्युक्त ख्रांभाराम । श्रीकार्यक्षा ब्रह्मा व्यक्तात । वसः अन्य प्रशियाम जर्भकाः व्यवस्थान प्रकेषक वर्गन वर्गन कर्रातक संक्षित महाता भारतमहत्त्वाजी बहुसक कारेसन केरकेट करित प्राम्यक्षिक स्टेशन गांनम्य वर्ग कविक वृत्रे क्यांत्रि क्रिक्टिक विकार क्षेत्र त्यांत्र क्ष्मकर्त व्यक्त সঞ্জিত বিয়োগরি ক্রমা 山田田 中門 田田 म् निशाद्यत (तम कुमधा इ भागात्मा केमकेलाक्ष्मित वी-क्रिकेश क्रिया, क्रीशांत क त्रान व्यात क्राक्रकेश क्रिक क्रिएक माप् कर क्या क मीधाकत बहुन की हा कर माला अहि साहत और है कि विकास मार्थ के राजा STATE OF THE PROPERTY OF STATE OF STATE

Witness where the the state of কৰিবেন অপ্ৰায়েত্বিকাৰ নিপ্ৰেয় সংগ্ৰাম প্ৰায় অবগত কৰ্মাটেন, ভাৰত অৰণ কৰিব একাটে व्यानम्य कवा विश्वमानिकार्य भवना स्वक्षां स्व কছবৈ থাকিলেক। আনি উতার ক্রিয়ুমানৈ ছক্ষিত शर्य भारति व भारत क्यानि नामानेन के विकास मा। श्रीकवश উन्तर कविशान ব'লভেছেন আমবা ক্লান্ত্র, সলিলেশ্বন কারি, ক্লি ক্ষামানিকাক ভাৰ হঞ্জা দক্ষ থাকুক্ষ মনি নিকান্ত च्याबडे अवस्थाक कडे बद्धाक क्षा क्षाचिएकलंदिक ाम करेक कार्यस्थायात्रास्था मह कल व कार्यकर्षे । সংগ্রে গুত কবি। আপুনি কি ক্ষান্ত নালে তে भूककातीरक बाधाक्षांत्र अहत भूनकार विक्रोक के हैं। क्रम्ब । जमम किल्ला भावित्काविक नार्ट ल सा अर्थिः जागर मञ्ज केर्युग,मार्गि इवेट्रकम् शामिक क्षाप्टा क विराम, कार्मक श्वापका कथा विभिन्ने । महक्ष्म व्यवता उ व्याष्ट्रि, कि के के बंद का नार्व वा वा वा वा वा कारक कावारक अधिकारक कार्याक कार्या अधिक कार्या कार् **瀬本本村での いましゅかない いままま いまされ ごりををます** को देखा र त्यांस समारा के ब्रामकेक के रेवी विनिद्द काबाहक का अधिष्ठक क्षेत्र । अने 

क्षिणा किल्लमा । यहिन्छ या देशाहितमा कि एकुन्नि शक्ष उद्घरत्य कंडिएल्स, खुक्त ্বার আরোপুক পেট কাঁশ্বসূপ্প আবেশ করা-ৰী আপাট বহিটোৰ কিছিৎকাল বছিল া ভাৰত ক্রিয়া '৯নহ'!। বিষয়' হিন্তু 'কবণাস্থর আদি অস্থি किंग्यी प्रश्न हरेशाया विराधन कावन मा रेली ब्रोड रेवाब क्षित है। के विकास के विकास के विकासिक के विकासिक है। 大幅 州(7) 本·二丁总法有 管好。 水事を物をすのず りか क्ष्में भूकम १६ नगरम किरेकालाब" कविराक्षकानी क्षेत्र वर्ष । । वर्षाक्षण स्कामात्र दम के सामने **अक्षर तेत्र**ा ध्याद्य श्रीशः शाम और अवस्थान र कति द्या मण १९ अभिन्ने ने नहें ने भारत एका मान्य करेंगे, एसा कोई साहत असिमान हिंभी के के दिया निविधान किया भाषा अपने प्रकार के अपने शहरू जात्वम अभिताहर काभाग खान माम एके जिका केरे शाकात (इस्पे केल्यात का कर्न करेंगे, कल्ला करें-े 'इंडिओस 'स्थाम मेगरेन लाभाव अरक्षेत्र कर्यक लिक्छ। धार्व । कः। भारत्म कातिला, এवण कर्णस्कृष्ट अव कर्रहेड. "क्षेत्रंभन किराज भागातः एक .पा विकास करेता । <del>अकृत</del> স্থাইয় তেকিলাকে একো কি মনিক মুক্তাচন্দ্ৰ যাত্ৰা কৰ भूपमृष्टे हरा माहे आ म जारी व्यक्तिमा । अवसी लगा भी राम्मधी भारत तुरु भारत आर्थेन करिएमान सम्मनी क्रिया लातना मरकृतंन श्राकित्य भारत यामात की छैन भारत । वर्णा विभिन्न के भागीन मुक्ता का किसा हैक कर्त एंडल । देशमा कड़ना त्वम, शुन्तमाझ उक्क शृह कितन खेमा इस्प्रिंड, यानि उक्तरहे न्यायश्चन कर् पूर्व किले व आधु कंशागान अस्ति। कन्ता कर्मार्ड 🖦 नपं के निय केन के दिला अ द्वीद विकास अर्थ देखा। किर्म के जान है के इस्केर में किर्म । केवर मार्ट सवास्थ इनेता कारत त मार्ड मूह नेजीत प्रतिभाग कर्रवा है क्रिकाश र हो तम जात है। क्रिकाश रहेट कि केंद्रि भारत जगदम केंद्र र अवसार विदेश मेर कि के छाई कि-अस्तिक लीन रिन्डी वे निकंक निर्मा वाकी विकिश्त 

भागात व्यक्षितिक क्षिति । विशेषिक विषयि । रहेका लोकालक अध्यक्ष वा डोकाक कार्य क कार्या गर्वक र - अस्य श्रेष्ठ देखां हे हे हैं। हो कि कि हो कि नक्षत्र अपि कि कि निकार कार्य । १००० विकार कार्य SECULIATION OF BUILDING STREET OF STREET मीक्कांप क्या फीकावर करन .यांश-क्क्रें कोने फार्यवत पेनल कल्प र जिल्लामा भागन कर्ते हुन। रम कात क्रिक्र 'শ**ালি প্রশোল-করি**ছা' তিলাল **লেই' হাঁ,র ষাই**য়া গ্রাব अक्ष क्विर्मार खर्भात का मिद्रात मान्धित। जार াৰ্ডিক গাতে ভাবেশ কম্বিক্তাক্তিকাল্প গছটি আংসং নানাবিধ অল্যারে জানাভিত এবং আত্তিকাৰে अकर्षि करलायम क्रिएक २०२५ व्याप्तर्य नाति कासा निषंड "क्रें। क जिल्हें। कमहाधासूत्र भएता । कार्जिन रपारक्रम फेनरिक्क वर्भत स कमिक्रोत रस्भ मञ्जनक्षार জাধকনতে মুখাৰ্ক্ষণন জাকন। দিয়া কোনাকে জাঁ-हा, ब्रह्मात कुके कर्मन्त्र अहमा ने शहबन्त कि क्रिट्र का .দশ কন্ধিন অন্যেদ্যাপাস্ত,সকণ ব্ৰস্তান্ত অৰুপ্ৰাইনচাৰে वर्गमा कान्य कान्य स्थात कान्य कान्य मान्य स्थित का उन्हरू नकल কথাই ক্ষিলামে ৷ উদ্ধান। ইতিহাতে ত সমস্য ক্ষান্তা--इ. असकाक निकाशोशम १३मा भागात्त्व मृभावन रक्षक्रम कविराज क्षानिहासमा । **जनसक्**र महिन्त क्षेत्री करित्रारः, ' किन् छ। नाग्री ब्यायसीरिक किमा छ। कुन्निः .ভাষাকেশ্ৰানাইয়াছেম<sup>শ ও</sup> ভখন পামি জাৰাজিৰের क्षमताबक्षम्। जिल्लामा महाराष्ट्रं खिननाम (क्षमा) का अंक्ष्मीना के जो करिया का बहुता के किए में स्त्रात्म् अविभागक्ष व्यक्ति विक्रिक्क्ष्मके मान्सिक with Mount of the Man will be with the second 神神神神 神神神 神神神神神神神神神神神神神神 इंडरेले के इसिस्ट्रेशन विशेषकों में में किया है कि इसि निक्रियों · 如此一种 (如 ) 如 ) 如 ( ) 如 学的"**的**事则"或可可可有,"**你们**那么"。

लुका कांत्र कामानिरशत मबबरक शुक्रेनिक कविएक পারিব'না। এই ককা এক সাকে আমি একবারে আন a.क प्र'शन्य जिल्हा इट्टोक । अक्तीन मध्यन कविता উটোলিলেইমান জিলাস। কৰিবাতে ভারাবা বলি-প্র যে জেটিছার নাম ওপনেছার আৰ ক্রিন্টার माम भौतछ।, विकि छैटक खरत किकिश शर्म का श्रिमाव जार्ज भविद्या छ। किएड किए बना किनि 'टारा-দ্যার পিজা উছার নাম ন্লেড়াবান পা্না আমি পুনশ্চ জিজাস। কবিলাস যে এই ব্যাপারেব श्र डांडावां आभियान मिनिष्ट कि अकार वावश्राय क-विद्वार आवि जामात्र वा उंद्रांकित्व अध्यक्त्र माना प्रकाश भेरमन इंडेन ने डेलांग कि । रहनात হার উত্তর করিলেম জানিনাতে এখন আমাদিনের গ'ড়ে, সে আর আলাদিরোর আজা লঞ্জ কলা ক বড়ে भातिहतके मा आद यनि आमात निमा ह। जिल्हा প্রদা থাব্যর জানিতে পারেন তিনি ব আয়াদি-. भरा निर्माण । काम प्रथा चलिए वस फाल्य अस्थ मार्ग . ए. इ.इ. जामना ह शत अफिन्ति भनकारे का मि-काम । शामिन अर्ड १ वृद्धा छ अर्थ कतिया कर्तका-क्षित भड़ करिएलमा कर्म। करा हार उभक्ति व म क्रम रेमिटिंड भारे । युक्त कहिटलन, ज्ञान अक्षे किर्णात कि छिल्यों के कुषा करान कविद्वन ना. केरोत्रा ''विक्रिनेटी अंक्रमोद्दी कस को नस कि हुके अंदिन को पूर्व देन कि है साहे, कदन आंगादक क्षेत्रानरेश अर्मनार्श्विक आहिक क्रम अर्कान करियान अकि शामे चिन्ने (केवल कार्णमात्रे काल विस्मानन इते। निवासमें निक्टने सिकंश्य गरेता शिक्टन जा-वैके शकित्र में में में बित्रहत काल कि केता ब-णां के के के स्वार के किया । के किया के के किया के किया के किया के किया के किया किया किया किया किया किया किया क जियान महरा छोराह अञ्चलकी करिक्त उछ औ र गाँक कातावस विस्तात के धूर्ण तस्त्रा एक इक मन्द्र वा के जार ने पह किया में के के देव ते डेना य क्षेत्र हुन स्वाद रहते महिल्ल हुन रहते कता वाहरण शहर दिन

आग्रह एकन जानिकां हिम्महर्ग कि विकास नारमान शरमारमत अधिकायाची निमानिस्ताति विकास खिबर्ष कामात गरमङ भाग गर्ह । असिश्राम हैं-वारक अध्यक्षका केन्द्रमक्तिहास तक विकास विश्वात कर विश्वन अदल विश्वनाथी स्वता विस् विश्वित क्षक्रीश तमभाग कविश्वत का अभागति असन व जिल्ले कविशाः विभारतम् ज्ञान दातः आधारान्यकः । राष्ट्र नकार पर एक श्रीकृषिक आहरू, रर्गायुर्क व्यास्त्र । ह िराम्ब ऐखर करिरामम ग्रन्थ, नक अधीर्याष्ट्र পার গালে ভারিতে পাইবৈষ্ প্রিণ্ডাপ্ निकालनः कमाधीर्गते भएतः 41 -1 माश्री १८ अरकी गुवाजीन आन्यश्रीम्स स्वी साहित लापिन कथात कथात है। होती नव्यक्ति लाम व वारामानीटक कामना क्रेडीमेटक लेक्ट বাস বাব্যভাচ ধনি অনুমতি ধ্যু ভাগে নিন্ত্ৰীক भग जिल्लाहार्य भागिषा (अपा। निर्वास भागिक में नजर करिया १९० । कमरावर वर्ग अल्डा व क्रिक्स औ आर्थां का विचित्र, ननार अञ्चलको खाकान, कविटनम .१४५ छ०लत अनिम नामी क्या महत्रीत शक्ति वक्षारात निम्भवद्य कतिराजन । से लक्ष शक्ष भागा चायतः अञ्चलनात् अके असम्भुतिहर्क विद्यासार्वकार কবিতে পাদিন ন। ও লক্ষা বলিতে কি উল্লে हात आभाद डिप्ट्रेंड १५ कलिश एछ, रिक्टि जाना एक লাহার পালিএবণ করিনে হয় ঋামি শেইমারী কৈন্ত্ अ'त काराक तहते वात्र ता । वर्गनमुख्य काविन रमन 'अकात कार-त काडा उनहें शीतका, कारिन, प्र डोको कित था। काकारता शारित्यक्रण क्रिक मेर्ही: थालिक भ नेकान आश्रमाश्रमि किन्द्रा करिया केहिएकहर. वामि वालमामितात मिक्ट अनिविधः कार्मित (धर्माना अकबन द किंद्र % उप्पतित एश कथा तै कि कतिए उद्भव देशक कात का अधिया वाकित्य ।

बह कथी स्थानविष्ठि हुई भारत अस शास्त्र इ.ग्रेडी डिटिलिंग, किस्क्रीय में साकित्स कार्यस्त्रक कड कथी स्थानक शासासन कि, उत्त साहेज क्रूडिंग भारत सेंद्रश विशेष्ट्रत मोन्द्रस्त्रिय कस्त्री कराई स्थान

नीताः भौतार्व । स्रोताः सेकान्त्रं नातः जाना किरुवार পুনবাৰ সাক্ষাৰ কৰিছে ৷ 'কিন্তু একটি দোলা-भ ई गाउँ की बान अकति दुवरी कल डाहाकि विश्वालयम कार्यानमाई निम्मीक्रम क्रिक्टिक निकिन काफ नांश किन्न हैं हात मिल्ल के हि हि किनास िर्मोखका रेप जिमि भएगा महरू के उसक्ति विक्तियोग्ने क्यांकास्य जन्म न करूनमे । क्यार्य जिनि किंकि अर्थेकिंड लिंग्स्क, कानराड भारे ७. নি স্থানিবী বঁনি দে স্তান্ত্র সাভায়ান্ত কবি, এক দিয় উ এই দিন উত্থাৰ সাহত সাকৃত অসলতে ১০১। ्रिक्षेत्र<sup>भित्रं</sup> 'भाग'नित्रत्व मंद्रिक मराज्ञालाम (ध आः শিংক কালাপ বাজাক্তবন ভাষা ইহাকে কৰিছে ক্রিউ-- ভবে বৃদি ভাছাকেন্দ্র চলাক্রে কর। কর জীবা হয় সে লক। ডিনি মুখন আপন্নি এই ভগু প্র-শ্রীপার্টিশ শন্ত্র ইউটোন, ওখন কার কোন কলা ব্যক্ত मेरिहा । भारतायम सा । अभिनाम, हिने भारत क्लिमी। धाँनिम होशा कर्ड डेन्ड्र कर्न्द्रसम् (५)क्। ्यन, को नगाभिरतत जात अक छम म तर्तातत ज्या ক্ষ্ম প্রেইটি সংগ্রহ করিন্তে পারিনেই অসাধে আপ-দৌশিশের প্রীতি রসংগ্রাভ প্রবাহিত হটতে পারি रनका स्कृष् हें इव कार्यक्रम, मानवमा इडिक खुलंदैकी नाची नवकारियों ते विश्व तक्षम कविएड পারে এমন একজন পারের জারশকে বটে। খারিল ांके कराभा कार त्याय. ज कनागि एक, वेर्डिस जक सम প্রামার ছাহতা ন। কি ব ভুক্স উভন্ন দিলেন। हैकाब कुल भारतस् किछू है लाबि ना होन हा अकेंकश শ্বীষ্কা এই মাত্রে জ্ঞান, আংগনার ভোষাহ্যাল কবি-ক্ষেত্রিন কিন্তু আপনি এবেশ করিবালার আপ-माई बेल लियश मानक हुई खरनेहैं ल्या हिड कहें-ক্রিটাম, আরু মনে করিলাখ যে, কেই ক্রীরে वीककः मध्यिसार व मन्त्रार्व ध्यानकः भाज आर्गिन । थानित कान छेउर मा क्लि फाननामान हिसीय भगाइक्षेत्री विद्वष्ठमः क्षेत्रकृष्टिक्किविद्शक्तः 'आकित्नव लिक्टिका सामि। १र्ग ५० है कि वास्त्र रिक्टिका से अध्यतना स्ट्रिंड प्रदेश के विश्व

নার আব গণ্যান কথা করে। সে বালা তার্কী আনু নার আব গণ্যান কথা করে। আনি স্ব করি নিগ্রের সঞ্চি তালান একণে কথল বারে করা করা করি। কুটবে এবং কি প্রকারে বা বাওয়া উট্টব ভারেন ব্রুক্তাং প্রকাশ করিবান, বালার কালবিলার লাই, এখনিক গল্পন কং বিতে চইবে, আরু গলেন উপায় ঘটনা জিলেন উপা বিত মতে দেই। কলা বাইবেক ৮ এই কথা বলিক। অবশিশু মণিরা পান করিল। বিল্লানালাক্ষের প্রাক্তা নাক নিয়া ভিন জনে একত্রে বহিন্দু ভ ভইনোম ক্রানাং প্রকাশা।

### डेकीन घठका

अक बाम स्विथा का बना हिन्दु यो है। ए छेर्पी हिन्द একণী গুড়াস্থের ন্যাস বান্দ্রান্ত করেন। ধর্মান ছেবে একটা পুৰূপ: বিনাছ বোগ্যাকনণ ছিল কিন্তু धनमालि डेभगुक भाने छाट्य विराह इश जोड उभक्तक शक्ति। मनेक केनराह कल लायका ম'ভিত ছট্যা জামির" ছট্যাটিলেম। সহজে भनकाभना निक करा उसम किलास मा किला अ क्रम श्विक्तिक उक्तिमार्क मियानन कि हो। या है .... করেন যে খদি ডিমি ক্ষার পিডাকে উভার हरेगा कुर असे क्या बर्गन जाका हरेगी के आनमान करतन । उकी हा अने कि कि कि कि शत निवास करा रे कि कार में कि में कि कि कि कि कि शम करिनामात्र क्यानीय निका विश्वासी के विक्रिय भा करित विवर्ध के निर्म किया किया के निर्मा क कथा काकि कार्यन ने। जीकिया के जिले शास्त्रकारि ৰিত নাকৰি কৰলৈ তালাকৈ কলে না ইন্ধানত বাস

संदर्भावतः। कान्नातं विकासानि शिक्षातं भ ज्ञाका के के उर्ज किएक के व किएक अ यमुला दश कारहे. चंतर काशि कामि अकक्षम कूर नक केला निटल जाइक जीकारक एकर माडे । असीरी কৰ্ত্তা এই কথা ভানৱা বিধানে সম্মত চলকেন तंकल त्रवरि कि चैविस्ट्स छ होत्र मटन चौरवन । उके समितिक इहेगाविन।

#### श्विरम्बन । भ

প্রতিকার ভল বংগ স্থাত্ত । তেওঁৰ কার্প, वडे सहीत आधी का गरमान भार किया. कर्यात शहर अर्राट अमन त्यात इह मा । सन् সকলে ন নিবল গ্রান্ত কোনে, সুলাগার আপক্ত े.जात काल भारत्भवन, हेशहें शक्तान शहरू है। क প্রত্যান্ত্র বিষয়ের সূচী আঁক ট কথা এই স্তব্যাত डिए भाग्या ओका

भिश्वास व ते: सन्। अठन खुनः मास् (महे न्यु আবাৰ প্ৰধানের খানা বহিপাৰ্ভ ক্তিলেখাৰ কৌন , বক্ষণেন প্ৰকিষ্ঠ চিন मन्तिक क्या मा ८०मन প्रतिकान क्या नहीं ! किया अमामन करेरक जरायन करिता किया रें छक्तानि स्थाप कविरात छ। इत्यायकात स्थानी क्या । श्रीमानरहें बहे बार्न । मा। तन्त्रं शहम कड़ेक किए। तालित महानीनाहरे ছাট্টক যে ক<sup>ৰ</sup>াম অনিক ে কি একাৰে নিৰাক্টেপ্তাপ্সম<sub>াই</sub> कर्ष भ अस्मित साञ्च, ए ड विभिन्न विचल् ते क्या. महे योग्न अभिक काम स्मरित को बहुने अहितार जाति গাঁএলক্স, হট তে কেল 🕺 🚧 নিমিত্তে শমুব্য अस्ति इ क्षेक्ष्री १८ त्या के क्ष्म्र तन त्या हरा का में क्ष्य के होश इंदेरन हान्या एक प्रारंक हो। देव हुन क्ष भार्य शासिकांक में लि क्षा रशाना भाकि किन न गर्वा के विभागारतत श्रीक स्थानिकार एक गतिकाङ्ग रामु भारतम क्षेत्रिक लगाउत

माक आवर बं "如何可以 **对就在准** 压 मानक दर्श अल्झ है। (क्रें ड्रांसन थ्रा गर्नाध केन्द्रश (अहे मार्च भवीत्रश्च व वाकि । श्रुवादय ा अभिन्न नाय ता भिभित्रे , बाङ्काकारम ं एक स्मा वर्ते व

Man Hay do for the property of 2 कि किया कि किया में बंदारी कि है। गुर्वाकी जाक । अपनिया जिल्हे प्रधानक की १४३ , परन दूस कि अ। य अनित्। कारवत काम केरेन किर्ने द्वार गुना हुए। किनिन क्र अधिक मारिया किया मारिया कर कर इस ति स्वति । विकास के विकास के विकास के विश्व के विकास के व क रणे कुष्याय े कुईवार रेक्सम निर्देश मध्या रहते । श्रेट ने क्रियन भविकीरताला, अभगन्भारक विभिन्न कुछ अक्षार शक्ति स्टबाइ एकि देखींह-के बहेल, मकाल (रेडिया, करण १००७ व राजरद किछ किए हैं ज्यान सिर्मु किया र क्या हुई बनाज । अक्टरी े भारत केरिक का अभि क्षिप्र मन लाइएल्ड्र माम किछाउ क्या अर्गरका कमा चरक क्षाक चार अर्थक नदार सिख्त क्षा- विमन् विश्वित अर्ज्ञ । **कवित्व के**मार नकरन १८०० रहें जिस्से कहि है अस्टिक िमा नामी श है। असूनी तमेंहे आखत नहेंचा ित कहादन नहित निक है हा-्राम (प्रशिक्त धार्मिति। जगम् अनुति । जादः